कक्षा-6

हिन्दी (वसंत भाग-1)

पाठ-12.

संसार पुस्तक है

- पं० जवाहरलाल नेहरू

✡ शब्दार्थ —

अकसर - प्रायः
आबाद - बसा हुआ
गौर से - ध्यान से
घरौंदा - छोटे-छोटे घर
वजह - कारण

प्रश्न-अभ्यास

पत्र से—

प्र०1. लेखक ने 'प्रकृति के अक्षर' किन्हें कहा है?

उत्तर— लेखक ने पेड़-पौधों, पत्थरों, जानवरों की पुरानी हड्डियाँ आदि प्राकृतिक चीजों को 'प्रकृति के अक्षर' कहा है।

प्र०2. लाखों-करोड़ों वर्ष पहले हमारी धरती कैसी थी?

उत्तर— लाखों-करोड़ों वर्ष पहले हमारी धरती बहुत गर्म थी। इस पर कोई जीव नहीं था। जब धरती ठंडी हो गई तब जाकर इस पर वनस्पतियाँ और जीव उत्पन्न होने लगे।

प्र०3. दुनिया का पुराना हाल किन चीजों से जाना जाता है? कुछ चीजों के नाम लिखो।

उत्तर— दुनिया का पुराना हाल पुरानी चीजों के अध्ययन व जीवाश्मों के माध्यम से जाना जाता है; जैसे— समुद्र, सितारे, नदियाँ, जंगल, जानवरों की पुरानी हड्डियाँ आदि।

प्र०4. गोल, चमकीला रोड़ा अपनी क्या कहानी बताता है?

उत्तर— गोल, चमकीला रोड़ा अपनी कहानी इस प्रकार बताता है— कि पहले वह भी चट्टान का एक टुकड़ा था, उसमें भी किनारे और कोने थे। वह भी किसी पहाड़ी के नीचे की जमीन में पड़ा था, तब पानी आया और उसे बहाकर छोटी घाटी तक

ले गया। वहाँ से एक पहाड़ी नाले ने उसे ढकेलकर एक छोटे-से दरिया में पहुँचा दिया। इस छोटे-से दरिया से वह बड़े दरिया में पहुँचा। इस बीच वह दरिया के पेंदे में लुढ़कता रहा। इस प्रकार उसके किनारे और कोने घिस गए और वह गोल और चमकीला हो गया।

प्र०5. गोल, चमकीले रोड़े को यदि दरिया और आगे ले जाता तो क्या होता? विस्तार से उत्तर लिखो।

उत्तर — गोल, चमकीले रोड़े को यदि दरिया और आगे ले जाता तो वह छोटा होते-होते अंत में बालू का एक ज़र्रा (कण) बन जाता और समुद्र के किनारे अपने भाइयों से जा मिलता, जहाँ एक सुन्दर बालू का किनारा बन जाता, जिस पर छोटे-छोटे बच्चे खेलते और बालू के घरौंदे बनाते।

प्र०6. नेहरू जी ने इस बात का हलका-सा संकेत दिया है कि दुनिया कैसे शुरू हुई होगी। उन्होंने क्या बताया है? पाठ के आधार पर लिखो।

उत्तर— नेहरू जी के अनुसार हजारों-करोड़ों वर्षों पूर्व इस धरती पर किसी मनुष्य का अस्तित्व नहीं था। पहले यहाँ पर जानवर रहा करते थे परंतु उनसे पहले यहाँ कोई जानदार चीज़ नहीं थी, क्योंकि ये धरती बेहद गर्म थी, धीरे-धीरे उसमें परिवर्तन हुआ और तब जाकर यहाँ जीने योग्य वातावरण पनपने लगा और इस पृथ्वी पर जीवन संभव हो पाया।

भाषा की बात –

प्र०1. 'इस बीच वह दरिया में लुढ़कता रहा।' नीचे लिखी क्रियाएँ पढ़ो। क्या इनमें और 'लुढ़कना' में तुम्हें कोई समानता नज़र आती है ?

ढकेलना	गिरना	खिसकना

इन चारों क्रियाओं का अंतर समझाने के लिए इनसे वाक्य बनाओ।

उत्तर –

(क) ढकेलना – वह मुझको ढकेलता आ रहा है।

(ख) गिरना – मोहन पेड़ से गिर गया।

(ग) खिसकना – श्याम वर्ग से खिसका चाहता था।

प्र०2. चमकीला रोड़ा – यहाँ रेखांकित विशेषण 'चमक' संज्ञा में 'ईला' प्रत्यय जोड़ने पर बना है। निम्नलिखित शब्दों में यही प्रत्यय जोड़कर विशेषण बनाओ और इनके साथ उपयुक्त संज्ञाएँ लिखो –

पत्थर , काँटा , रस , ज़हर

उत्तर – पत्थर + ईला = पत्थरीला – रास्ता
काँटा + ईला = कँटीला – पौधा
रस + ईला = रसीला – फल
ज़हर + ईला = ज़हरीला – साँप

प्र॰3. 'जब तुम मेरे साथ रहती हो, तो अकसर मुझसे बहुत-सी बातें पूछा करती हो।' यह वाक्य दो वाक्यों को मिलाकर बना है। इन दोनों को जोड़ने का काम जब तो (तब) कर रहे हैं, इसलिए इन्हें योजक कहते हैं। योजक के रूप में कभी कोई बदलाव नहीं आता, इसलिए ये अव्यय का एक प्रकार होते हैं। नीचे वाक्यों को जोड़ने वाले कुछ और अव्यय दिए गए हैं। उन्हें रिक्त स्थानों में लिखो। इन शब्दों से तुम भी एक-एक वाक्य बनाओ।

(क) कृष्णन फ़िल्म देखना चाहता है ---- मैं मेले में जाना चाहती हूँ।

(ख) मुनिया ने सपना देखा ---- वह चन्द्रमा पर बैठी है।

(ग) छुट्टियों में हम सब ---- दुर्गापुर जाएँगे ---- जालंधर।

(घ) सब्ज़ी कटवा कर रखना ---- घर आते ही मैं खाना बना लूँ।

(ङ) ---- मुझे पता होता कि शमीना बुरा मान जाएगी ---- मैं यह बात न कहती।

(च) इस वर्ष फसल अच्छी नहीं हुई है ---- अनाज महँगा है।

(छ) विमल जर्मन सीख रहा है ---- फ्रेंच।

बल्कि / इसलिए / परंतु / कि / यदि / तो / नकि / या / ताकि

उत्तर— (क) कृष्णन फ़िल्म देखना चाहता है परन्तु मैं मेले में जाना चाहती हूँ।

(ख) मुनिया ने सपना देखा कि वह चन्द्रमा पर बैठी है।

(ग) छुट्टियों में हम सब न कि दुर्गापुर जाएँगे बल्कि जालंधर।

(घ) सब्जी कटवा कर रखना ताकि घर आते ही मैं खाना बना लूँ।

(ङ) यदि मुझे पता होता कि शमीना बुरा मान जाएगी तो मैं यह बात न कहती।

(च) इस वर्ष फ़सल अच्छी नहीं हुई है इसलिए अनाज महँगा है।

(छ) विमल जर्मन सीख रहा है या फ्रेन्च।